

यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्रभागीय वना धकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार किया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लिए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय प्रभागीय वना धकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) के माह 04/2016 से माह 03/2017 तक के लेखा अभिलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री अशोक कुमार मीना ले0प0 एवं श्री ए.के.गुप्ता सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों द्वारा दिनांक 17.07.2017 से 27.07.2017 तक श्री पी.के.गुप्ता लेखापरीक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित किया गया।

**भाग-I**

1. परिचयात्मक: इस इकाई की वगत लेखापरीक्षा श्री डी.के. श्रीवास्तव एवं अजय कुमार मिश्रा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों द्वारा दिनांक 21.10.2016 से 29.10.2016 तक श्री अमर नाथ साहू लेखापरीक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी थी। जिसमें राजस्व हेतु माह 07/2015 से 03/2016 तक एवं व्यय हेतु माह 07/2015 से 03/2016 तक के लेखा अभिलेखों की जांच की गयी थी। वर्तमान लेखापरीक्षा में राजस्व हेतु माह 04/2016 से 03/2017 तक एवं व्यय हेतु माह 04/2016 से 03/2017 तक के लेखा अभिलेखों की जांच की गयी।

2. (i) इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगोलिक अधिकार क्षेत्र: तराई पूर्वी वन प्रभाग

3. (ii) (अ) राजस्व का विवरण: विगत तीन वर्षों में कार्यालय द्वारा अर्जित राजस्व का व्यौरा निम्नवत है :

<u>वर्ष</u>	<u>अर्जित राजस्व (रु लाख में)</u>
2014-15	8689.07
2015-16	8637.94
2016-17	9066.92

(ii)(ब) बजट का विवरण

वगत तीन वर्षों में बजट आवंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत है:

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आ धक्य (+)	बचत (-)
	स्थापना (')	गैर स्थापना (')	आवंटन (')	व्यय (')	आवंटन (')	व्यय (')		
2014-15	---	---	1500.573	741.779	1500.573	741.779	---	-----
2015-16	----	----	1331.79	208.556	1331.79	208.556	----	---
2016-17	-----	-----	1566.130	520.320	1566.130	520.320	-----	----

(स) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत है:

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष	प्राप्त	व्यय	बचत	अ ध क्य
2016-17	प्रोजेक्ट ए लफैंट	-	1.45 लाख	1.35 लाख	0.10 लाख	-
2016-17	इन्टे स फकेशन ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट	-	10.136 लाख	10.136 लाख	-	-

(यदि लेखापरीक्षा अव ध तीन वर्ष से अ धक हो तो सम्पूर्ण अव ध का बजट आवंटन एवं व्यय ववरण अं कत कया जाय)

(iii) इकाई को बजट आवंटन शासन द्वारा कया जाता है। गैर स्थापना व्यय को सम्मिलत न करते हुए इकाई ए श्रेणी की है।

(iv) वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत है: मुख्य स चव - प्रमुख वन संरक्षक - मुख्य वन संरक्षक - वन संरक्षक - प्रभागीय वना धकारी - वन क्षेत्रा धकारी

(v) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व ध: लेखापरीक्षा में प्रभागीय वना धकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) (अनुपालन लेखापरीक्षण दिशा निर्देशों के अनुसार जिन-जिन इकाईयों की लेखापरीक्षा सम्पादित की गयी उन्हें अं कत कया जाय) को आच्छादित कया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वतरण अ धकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्रभागीय वना धकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) (जिस इकाई की लेखापरीक्षा सम्पादित की गयी हो उसे अं कत कया जाय) की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है।

(vi) वस्तुतः जांच हेतु माह का चयन :- (राजस्व एवं व्यय हेतु अलग-अलग बताये)

माह 03/2017 को वस्तुतः जांच (राजस्व) हेतु चयनित किया गया।

माह 03/2017 को वस्तुतः जांच (व्यय) हेतु चयनित किया गया।

योजना का चयन: (यदि हो तो) -----शून्य-----

(vii) लेखापरीक्षा भारत के संवधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 16 एवं लेखा तथा लेखापरीक्षा विनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

राजस्व से संबन्धित

भाग-02 अ

प्रस्तर-01 वलम्ब से जमा लीज कराए पर ₹23.53 लाख ब्याज वसूल न कया जाना।

A late fee calculated at 02 paise per hundred rupee per day (i.e. 7.3% per annum) would be payable if the payment is made after the grace period of 30 days but before the expiry of 60 days. The late fee payable will be calculated for the entire period of delay including the grace period and (iii) if the payment is made after the expiry of 60 days, late fee at 5 paise per hundred per day (i.e. 18.25% per annum) would be charged from the date of instalment fee due according to article 152, page no. 196 ii of the Uttar Pradesh forest manual (8<sup>th</sup> edition).

पट्टा वलेख में पट्टा ग्रहीता द्वारा वभाग को संबन्धित अवध में वभाग द्वारा तय वार्षिक कराए को नियत दिन एवं रीति से भुगतान करेगा यदि समय पर उक्त धनराश जमा करने में चूक होती है तो उसका भुगतान शासन द्वारा निर्धारित दर पर ब्याज सहित एक माह के अंदर प्रत्येक दशा में जमा करेगा। ऐसा न करने पर अवशेषों की वसूली भू राजस्व देयों के बकाए के रूप में की जाएगी।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के अभिलेखों की जांच में पाया गया कि प्रभाग के अंतर्गत दो पट्टे ग्रहीता द्वारा वभाग को लीज का वार्षिक कराया वलम्ब से जमा कया गया था (सूची संलग्न)। वलम्ब से जमा धनराश पर वभाग द्वारा ब्याज की वसूली ₹2353122/- (2313494+39628) नहीं की गयी।

लेखापरीक्षा द्वारा इंगत कए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया कि पावर ग्रड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं पोलिप्लेक्स कार्पोरेशन लिमिटेड खटीमा को क्रमशः 29.04.2006 एवं दिनांक 16.11.2013 को लीज पर दिया गया। ब्याज की वसूली के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जा सकेगी।

अतः प्रकरण को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।

प्रतिवेदन संख्या - RS/FR-43/2016-17

पट्टा गृहीता - पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया

क्रम संख्या	वर्ष	जमा धनराश्या वर्षक कराया	जमा करने की दिनांक	वलय्ब की अव ध	व्याज की धनरा श
1	21.05.2005 से 20.05.2006	9,78,715	28.09.2007	28 माह 09 दिन	4,20,242
2	21.05.2006 से 20.05.2007	10,09,300	28.09.2007	16 माह 07 दिन	2,49,178
3	21.05.2007 से 20.05.2008	10,09,300	01.06.2008	12 माह 11 दिन	1,89,825
4	21.05.2008 से 20.05.2009	10,09,300	30.01.2009	08 माह 09 दिन	1,27,403
5	21.05.2009 से 20.05.2010	10,09,300	09.02.2010	08 माह 19 दिन	1,32,520
6	21.05.2010 से 20.05.2011	10,09,300	04.03.2011	09 माह 14 दिन	1,45,311
7	21.05.2011 से 20.05.2012	10,09,300	21.04.2012	11 माह	1,68,847
8	21.05.2012 से 20.05.2013	10,09,300	30.03.2013	10 माह 09 दिन	1,58,203
9	21.05.2013 से 20.05.2014	10,09,300	22.03.2014	10 माह 01 दिन	1,54,009
10	21.05.2014 से 20.05.2015	10,09,300	08.06.2015	12 माह 18 दिन	1,93,407
11	21.05.2015 से 20.05.2016	10,09,300	13.05.2016	11 माह 23 दिन	1,80,616
12	21.05.2016 से 20.05.2017	10,09,300	27.01.2017	08 माह 06 दिन	1,25,868
योग					22,45,429

पट्टा ग्रहीता - पॉलीप्लेक्स कार्पोरेशन ल मटेड, खटीमा

क्रम संख्या	वर्ष	जमा धनराश्या वर्षक कराया	जमा करने की दिनांक	वलम्ब की अवध	ब्याज की धनराश
1	07.05.2013 से 06.05.2014	2,07,350	24.05.2013	-	-
2	07.05.2014 से 06.05.2015	2,07,350	03.09.2014	03 माह 27 दिन	12298
3	07.05.2015 से 06.05.2016	2,07,350	18.09.2015	04 माह 11 दिन	13770
4	07.05.2016 से 06.05.2017	2,07,350	16.09.2016	04 माह 09 दिन	13560
योग					39628

भाग-02 ब

प्रस्तर-02 निर्धारित लक्ष्य के वरुद्ध राजस्व की कम प्राप्ति ₹19.67 करोड़।

कार्यालय प्रभागीय वना धकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के अ भलेखों की नमूना जांच में पाया गया क वन संरक्षक पश्चिमी वृत्त, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड, द्वारा लकड़ी, रायल्टी और अन्य वन उपज से वर्ष 2016-17 के लये प्राप्ति का लक्ष्य ₹110,33,54,000/- निर्धारित किया गया था। जब क रजिस्टर/अ भलेखों के अनुसार राजस्व प्राप्ति ₹90,66,92,087/- दर्शायी गयी है। इससे स्पष्ट होता है क वभाग द्वारा 19,66,61,913/- (1,10,33,54,000-90,66,92,087) लक्ष्य के सापेक्ष कम राजस्व प्राप्त हुआ।

लेखापरीक्षा द्वारा इंगत कए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया क लक्ष्य से राजस्व की कम प्राप्ति एवं लक्ष्य संशोधन हेतु इस कार्यालय की पत्रांक संख्या 2485/9-2(5) दिनांक 14.02.2017 द्वारा वन संरक्षक पश्चिमी वृत्त हल्द्वानी को अवगत कराया गया। संशोधत लक्ष्य अनुमान ₹90.00 करोड़ के सापेक्ष वर्ष 2016-17 में राजस्व ₹90.67 करोड़ की प्राप्ति हुई। वभाग का उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि वन संरक्षक, पश्चिमी वृत्त, हल्द्वानी द्वारा लक्ष्य को संशोधत नहीं किया गया था।

अतः प्रकरण को उच्चा धकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।

प्रस्तर-03 वन जमा की दर संशोधन न करने के फलस्वरूप राजस्व क्षति।

उत्तराखण्ड शासन के वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2 के पत्र संख्या: 512/K-2-2013-12(34)/2005 दिनांक 08 मार्च 2013 के अनुसार उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1976 (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) के अंतर्गत वृक्ष पातन हेतु अनुज्ञा के एवज में जमा एफ डी आर एवं एन एस सी की धनराश प्रार्थीगणों द्वारा उक्त वृक्षारोपण एवं उनके रखरखाव न करने पर जमा जमानत को जब्त करके राजस्व में जमा किया जाना है।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी की लेखापरीक्षा जांच में पाया गया कि 01 वृक्ष के पातन के सापेक्ष 02 पौध लगाने हेतु ₹50 प्रति पौध की दर से ₹100 जमानत के रूप में बंधक रखी जा रही है। जबकि 02 पौध लगाने हेतु व उसके अनुरक्षण में ₹160.94 खर्च किया जाता है जो कि निरंतर बढ़ती रहेगी। वभाग द्वारा निर्धारित ₹100 की जमानत राशि बहुत कम है इसी कारण पेड़ पातन करने वाले व्यक्ति द्वारा जमानत के रूप में जमा की गयी राशि को वापस लेने की प्रवृत्ति समाप्त हो गयी है। लेखापरीक्षा द्वारा इंगत किए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया कि वर्तमान तक जमानत ₹50.00 की दर से ही जमा की जा रही है इसे बढ़ाया नहीं गया है। रोपण एवं अनुरक्षण की दर को सम्मिलित करते हुए प्रति पौध प्राप्त किये जाने हेतु जमानत धनराशि का निर्धारण किया जा सकेगा।

चूंकि वभाग द्वारा पौध लगाने व उसके अनुरक्षण लागत से भी कम धनराशि जमानत के रूप में जमा करायी जा रही है। अतः प्रकरण को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।



प्रस्तर-04 लीज का पट्टा वलेख पत्र उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत न कराये जाने के फलस्वरूप स्टाम्प के रूप में राजस्व क्षति।

भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 की अनुसूची 2 ख के अनुच्छेद 35 के अनुसार 20 वर्ष से अधिक व 30 वर्ष तक के लिए लीज पर दी गयी संपत्त के वार्षिक कर का 6 गुना तथा प्रीमियम यदि कोई हो, की धनराश को जोड़कर मूल्यांकन पर स्टाम्प की देयता बनती है। जो क दिनांक 2 सितम्बर 2009 से 2% की दर से स्टाम्प लागू है।

कार्यालय के अभिलेखों की जांच में पाया गया कि प्रभाग द्वारा योजना धौली गंगा बरेली पारिषद लाइन के अंतर्गत 20.186 हेक्टेयर वन भूमि 30 वर्षों के लिए लीज पर 29 अप्रैल, 2006 को सर्वश्री पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को दी गयी थी। जिसका वार्षिक कर ₹10,09,300 निर्धारित किया गया था। इसी प्रकार प्रभाग द्वारा अन्य 0.4147 हेक्टेयर भूमि पोलिप्लेक्स कार्पोरेशन लिमिटेड खटीमा को दिनांक 07 मई 2013 को 30 वर्षों के लिए लीज पर दी गयी थी। जिसका प्रीमियम एवं अन्य व्यय के रूप में प्रभाग द्वारा 35,86,400 एवं वार्षिक कर ₹2,07,350 निर्धारित किया गया था।

उपरोक्त भूमि 30 वर्ष के लिए लीज पर दिये जाने के बावजूद पट्टा वलेख क्रमशः ₹10 व ₹100 के स्टाम्प पर अंकित किया गया है जो कि उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत नहीं है। इन पट्टा वलेखों पर नियमानुसार स्टाम्प शुल्क अदा नहीं किया गया है।

लेखापरीक्षा द्वारा इंगित किए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया कि शासनादेश संख्या जी आई 2718/07.01.2013-800(3401)/2012 दि. 07.05.2013 द्वारा पोलिप्लेक्स कार्पोरेशन लिमिटेड खटीमा के उपयोगार्थ वन भूमि 30 वर्षों की अवधि के लिए लीज पर दिये जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई जिसमें क्रम संख्या 16 में दिये गए निर्देशानुसार पट्टा वलेख का वधीक्षण शुल्क जमा एवं प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा अपने पत्रांक दि. 07.08.2013 द्वारा पट्टा वलेख ₹100 के स्टाम्प पेपर पर दिया गया जिसे इस कार्यालय द्वारा अनुमोदन हेतु प.स. 623/12-1 दि. 22.08.2013 से अपर प्रमुख वन संरक्षक/ नोडल अधिकारी को प्रेषित किया गया, जिस क्रम में शासन के आदेश स. 67/07-01-2013-800 (3401)/2012 दि. 23-10-2013 द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में अनुमोदित पट्टा वलेख पर दिनांक 16-11-2013 को हस्ताक्षर कर अग्रतर कार्यवाही संपादित की गयी। इसी प्रकार अन्य दर्शित प्रकरणों पर भी कार्यवाही की गयी है।

वभाग का उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि उपरोक्त नियम के अनुसार पट्टा वलेख पत्र को उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत करना आवश्यक है।

अतः प्रकरण को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।

**STAN**

प्रस्तर- 1 कर्मचारियों/ अ धकारियों द्वारा ₹4,14,200 की प्रतिभूति राश का जमा न कया जाना।

कार्यालय प्रभागीय वना धकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के जमानत जमा से संबन्धित अ भलेखों की जांच में पाया गया क निम्न ल खत अ धकारियों/कर्मचारियों द्वारा बकाया ₹4,14,200 की जमानत धनरा श जमा नहीं की गयी है

क्र सं	नाम	पदनाम	निर्धारित धनरा श	जमा धनरा श	अवशेष धनरा श
1	श्री प्रदीप कुमार	वन क्षेत्रा धकारी	25000	-	25000
2	श्री यतीश चन्द्र पाण्डेय	वन क्षेत्रा धकारी	25000	20000	5000
3	श्री सुन्दर राम	प्र. व. क्षे.	25000	-	25000
4	श्री योगेश तिवारी	प्र. व. क्षे.	25000	-	25000
5	श्री कैलाश चन्द्र गुणवन्त	प्र. व. क्षे.	25000	-	25000
6	श्री सुरेश चन्द्र मेन्दोला	प्र. व. क्षे.	25000	20000	5000
7	श्री दीप चन्द्र उपाध्याय	उ. व. क्षे.	25000	20000	5000
8	श्री चन्दन सिंह अ धकारी	उ. व. क्षे.	25000	20000	5000
	श्री सतीश चन्द्र रिखाड़ी	उ. व. क्षे.	20000	-	20000
10	श्री जसौद सिंह	वन दरोगा	10000	-	10000
10	श्री प्रेम राम	वन दरोगा	10000	-	10000
11	श्री जगदीश चन्द्र बिनवाल	वन दरोगा	10000	5000	5000

प्रतिवेदन संख्या - RS/FR-43/2016-17

12	श्री महिम गरी गोस्वामी	वन दरोगा	10000	-	10000
13	श्री दीप चन्द्र उप्रेती	वन दरोगा	10000	5000	5000
14	श्री देवेन्द्र प्रकाश आर्या	वन दरोगा	10000	5000	5000
15	श्री रमेश चन्द्र आर्या	वन दरोगा	10000	5000	5000
16	श्री अंबादत्त विशटानिया	वन दरोगा	10000	-	10000
17	श्री महेश प्रसाद वन	वन दरोगा	10000	5000	5000
18	श्री वष्णु संह सुप्याल	वन दरोगा	10000	8000	2000
19	श्री दिनेश चन्द्र तिवारी	वन दरोगा	10000	-	10000
20	श्री पान संह बिष्ट	वन दरोगा	10000	5000	5000
21	श्री बाबूराम यादव	वन दरोगा	10000	-	10000
22	श्री दिनेश कुमार संह	वन दरोगा	10000	-	10000
23	श्री वश्वेश्वर प्रसाद डोबरियाल	वन दरोगा	10000	4000	6000
24	श्री कैलाश चन्द्र क पल	वन दरोगा	10000	8500	1500
25	श्री हरीश लाल	वन दरोगा	10000	-	10000
26	श्री चन्दन प्रकाश	वन दरोगा	10000	-	10000
27	श्री दान संह खो लया	वन दरोगा	10000	5000	5000

प्रतिवेदन संख्या - RS/FR-43/2016-17

28	श्री रघुवर मुनौला	वन दरोगा	10000	5000	5000
29	श्री कान्तिबल्लभ देवतल्ला	वन दरोगा	10000	5000	5000
30	श्री खडक संह	वन दरोगा	10000	5000	5000
31	श्री देवीदत्त तिवारी	वन दरोगा	10000	5000	5000
32	श्री शंकर दत्त सती	वन दरोगा	10000	5000	5000
33	श्री मदन संह बिष्ट	वन दरोगा	10000	5000	5000
34	श्री ल लत मोहन जोशी	वन दरोगा	10000	5000	5000
35	श्री नैन संह नेगी	वन दरोगा	10000	5000	5000
36	श्री प्रकाश चन्द्र पाण्डेय	वन दरोगा	10000	5000	5000
37	श्री राम संह परिहार	वन दरोगा	10000	5000	5000
38	श्री केशर संह धोनी	वन दरोगा	10000	5000	5000
39	श्री वशन राम	वन दरोगा	10000	5000	5000
40	श्री जगदीश प्रसाद	वन दरोगा	10000	5000	5000
41	श्री हंसादत्त दुमका	वन दरोगा	10000	5000	5000
42	श्री सुन्दर लाल	वन दरोगा	10000	5000	5000
43	श्री ओम प्रकाश	वन दरोगा	10000	5000	5000
44	श्री राजू दास	वन दरोगा	10000	-	10000

प्रतिवेदन संख्या - RS/FR-43/2016-17

45	श्री प्रेम प्रकाश उप्रेती	वन दरोगा	10000	5000	5000
46	श्री सुखवन्त संह	वन दरोगा	10000	5000	5000
47	श्री वष्णुदेव संह	वन आरक्षी	5000	-	5000
48	श्री हरी संह गोनिया	वन आरक्षी	5000	-	5000
49	श्री संजय कुमार	वन आरक्षी	5000	-	5000
50	श्रीमती पुष्पा तिवारी	वन आरक्षी	5000	1000	4000
51	श्री कृष्णपाल गौतम	वन आरक्षी	5000	1500	3500
52	श्री वनोद कुमार	वन आरक्षी	5000	-	5000
53	श्री शंकर दत्त पनेरु	वन आरक्षी	5000	-	5000
54	श्रीमती रोशनी आर्या	व. प्र. अ धकारी	3000	2000	1000
55	श्री मोहन चन्द्र जोशी	प्र. सहायक	2000	300	1700
56	श्री हरीश संह बिष्ट	व. सहायक	1500	1000	500
57	श्री केशव दत्त बमेठा	व. सहायक	1500	1000	500
58	श्री सोबन संह सोतवाल	चालक	3000	1000	2000
59	श्रीमती मुन्नी देवी	चौकीदार	500	-	500
60	श्री जगन्नाथ	डा कया	500	-	500
61	श्री हरद्वारी	माली	500	-	500

प्रतिवेदन संख्या - RS/FR-43/2016-17

	लाल				
योग					4,14,200

लेखापरीक्षा द्वारा इंगत कए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया क क्रम संख्या 01 से 62 के 25 कर्मचारियों की अवशेष जमानत उनके पदोन्नति फलस्वरूप अवशेष देय जमानत, नए नियुक्ति कर्मचारी तथा अन्य प्रभागों से स्थानांतरित कर्मचारियों की जमानत अवशेष लंबित है, जिस हेतु जमानत जमा करने के प्रभाग स्तर से हर संभव प्रयास कए जा रहे है। जमानत वसूली से अगले संप्रेक्षा दल को अवलोकित करा दिया जाएगा।

अतः प्रकरण उच्चा धकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।

भाग-02 ब

प्रस्तर-05 वन वभाग द्वारा प्रभावी कार्यवाही न कए जाने के कारण 5982.08 हेक्टेयर भूम का अतिक्रमण होना।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के अभिलेखों की नमूना जांच में पाया गया कि 6667 अतिक्रमणकारियों द्वारा वन वभाग की 5982.08 हेक्टेयर भूम पर कब्जा किया गया था। उक्त भूम पर अतिक्रमण वर्ष 1968 से है। इस संबंध में प्रभाग में वर्तमान में कुल 1747 मामले व भन्न न्यायालयों में वचारधीन है तथा 2019 मामले पूर्व में न्यायालय से निर्णीत होने के बाद भी बेदखली न हो पाने के कारण लम्बित में दर्शाये गए हैं। इस लए कुल 3766 मामले लम्बित है।

लेखापरीक्षा द्वारा इंगत कए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया कि इस वन प्रभाग में कुल 5982.08 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिक्रमण है चूंकि अतिक्रमण काफी पुराने है तथा अतिक्रमण क्षेत्र में काफी लोग अपने परिवार के साथ निवास कर रहे हैं। इस वन प्रभाग द्वारा इन अतिक्रमणों को हटाने हेतु काफी प्रयास कए गए, वभागीय रूप से बिना शासन के आदेश, पर्याप्त प्रशासनिक व पुलिस बल के उक्त अतिक्रमण क्षेत्र को वर्तमान में अतिक्रमण मुक्त कराया जाना संभव नहीं है। उक्त संवेदनशील क्षेत्रों के समीप विशेष रूप से निगरानी राखी जा रही है ताकि अतिक्रमण आगे न बढ़ने पाये।

अतः अतिक्रमण से संबन्धित प्रकरण को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।

प्रस्तर-06 सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर बिना ₹16.10 लाख लागत का कार्य पूर्ण कराया जाना।

उत्तराखण्ड शासन के पत्रांक: 245/xxvii(7)/2012, दिनांक: 22.11.2012 के अनुसार वृक्षारोपण व अन्य वानिकी कार्यों के निष्पादन हेतु उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी को ₹5.00 लाख तक की सीमा तक स्वीकृति का अधिकार प्रदत्त किया गया है।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के लेखा अभिलेखों की जांच में पाया गया कि प्रभाग द्वारा वर्ष 2016-17 में डौली राजि के अंतर्गत उच्च तकनीक पौधालय लालकुआँ में तराई पश्चिमी वन प्रभाग, रामनगर हेतु यूके लॉटस क्लोनल की 2,50,000 पौधे उगान हेतु ₹16,10,000 लाख मूल्य की लागत का कार्य बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर पूर्ण करा दिया गया तथा संप्रेशा तिथि (जुलाई 2017) तक प्रभाग को उपरोक्त कार्य हेतु सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई थी।

इस संबंध में लेखापरीक्षा द्वारा इंगत किए जाने पर वभाग द्वारा उत्तर दिया गया कि प्रभाग द्वारा वर्ष 2015-16 की वृत्तीय स्वीकृति ₹14,40,000 प.स. 3050/2-34 दि. 19.03.16 द्वारा एवं वर्ष 2016-17 की वृत्तीय स्वीकृति ₹16,10,000 प.स. 3654/2-34 दि. 13.05.2016 द्वारा सक्षम अधिकारी को समय पर स्वीकृति हेतु प्रेषित की गयी है तथा स्वीकृति की प्रत्याशा में धनराशि व्यय की गयी। वर्ष 2017-18 में पुनः वर्ष 2016-17/2017-18 की कार्योत्तर वृत्तीय स्वीकृति आवेदित की गयी है।

वभाग के उत्तर से स्पष्ट है कि उक्त कार्य हेतु अभी स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है।

अतः प्रकरण को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाता है।



भाग-III

(इस भाग में वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण निम्न प्रारूप में अंकित किया जाय)

राजस्व से संबंधित वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या
26/2011-12	शून्य	01
32/2013-14	शून्य	02
60/2015-16	शून्य	02
13/2016-17	शून्य	01,02

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्या:

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
	-----			

व्यय से संबंधित: वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या
शून्य		

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्या:

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
कोई प्रस्तर निस्तारित नहीं किया गया है। (अनुपालन आख्या उपलब्ध नहीं करायी गयी)				

#### भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

(इस भाग में इकाई द्वारा निष्पादित सबसे अच्छे कार्य (यदि कोई हों) जो लेखापरीक्षा के दौरान संज्ञान में आये हैं, उनका वर्णन किया जाय)

(1) राजस्व से संबंधित इकाई द्वारा निष्पादित अच्छे कार्य -शून्य

(2) राजस्व से संबंधित इकाई द्वारा निष्पादित अच्छे कार्य -शून्य

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अवध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अभिलेख एवं सूचनाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) तथा उनके अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथा प लेखापरीक्षा में निम्न लिखित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गये: शून्य
2. सतत अनियमितताएं: (राजस्व एवं व्यय से संबंधित अलग अलग दर्शाएँ)
3. लेखापरीक्षा अवध में निम्न लिखित अधिकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन किया गया

क्रम सं०	नाम	पदनाम
(i)	डा० पराग मधुकर धकाते	प्र०व०अ०
(ii)	श्री नीतीश मण त्रिपाठी	प्र०व०अ०

लघु एवं प्रक्रियात्मक अनियमितताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मिलित कर एक प्रति प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी (नैनीताल) को इस आशय से प्रेषित कर दी जायेगी कि अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार (राजस्व), कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा)- उत्तराखण्ड, देहरादून को प्रेषित कर दी जाय।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी